निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्या का अध्ययन

प्रियंका कटियार (priyanka.katiyar4@gmail.com)

रिसर्च स्कॉलर
प्रोफेसर शुभा व्यास
जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जयपुर

सारांश: कच्ची बस्ति वह आवासीय स्थान है। जहां रहने की जगह अभाव ग्रस्त निम्न स्तरीय व अनुचित होती है। इस प्रकार की बस्तियां सर्वव्यापी होती है। सभी शहरों में इस प्रकार की कच्ची बस्तियां स्थित है। जिनका निर्धारण नगर निगम द्वारा द्वारा किया गया बस्तियों में रहने वाले बालकों में शैक्षिक मनोवैज्ञानिक सामाजिक आदि समस्याएं पाए जाती है। शिक्षा की समस्याओं को दूर करने के लिए बेसिक शिक्षा दी एवं कच्ची बस्ति में कई विद्यालय खोलें गए- महात्मा गांधी

मुख्य बिंदु- कच्ची बस्ति, शैक्षिक समस्याएं

प्रस्तावना निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 4 अप्रैल 2009 को भारत सरकार द्वारा पारित किया और अप्रैल 2010 में संपूर्ण भारत में लागू किया गया है। भारत में शिक्षा को मौलिक अधिकार घोषित करने वाला विश्व का 135 वा देश है। 6 से 14 वर्ष के सभी बालकों को शिक्षा देना संवैधानिक अनिवार्यता राज्य सरकार व स्थानीय निकायों की है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम और नीतियां बनाई गई फिर भी आशातीत सफलता नहीं मिल पा रही है। आज भी हमारे देश में 25% लोग निरक्षर हैं उनमें से अधिकतर लोग ऐसे हैं जो गरीब मजदूर वर्ग से आते हैं जो अभी भी समाज के धारा से नहीं जुड़ पाए हैं उनके रहने की उचित व्यवस्था नहीं होती है। ऐसे लोग कच्ची बस्तियों से निवास करते और इन बस्तियों में रहने वाले विद्यार्थियो को विभिन्न प्रकार की शैक्षिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

समस्या कथन

निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याएं

उद्देश्य

निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करना

परिसीमाये

1. जयपुर नगर निगम द्वारा निर्धारित कच्ची बस्ति के विद्यालय तक
2. कच्ची बस्तियों के क्षेत्रों में स्थित केवल राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियो को लिया गया है।
3. गैर राजकीय संगठनों द्वारा संचालित विधालयो का अध्ययन नहीं किया गया है।

शोध विधि

सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया

न्यायदर्श

जयपुर शहर के जवाहर नगर व शास्त्रीनगर कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के 245 विद्यार्थियो को यादृच्छिक विधि से लिया गया

उपकरण

शोधार्थी ने शैक्षिक समस्याओं को जानने के लिए स्वनिर्मित समस्या सूची का निर्माण किया

विश्लेषण

गुणात्मक विश्लेषण किया जिसमें शोधार्थी ने प्रतिशत का प्रयोग किया

शैक्षिक समस्याएं

तालिका 1: अध्यापक अधिगम प्रक्रिया संबंधी समस्याएं

क्र.स	कथन	हां	कभी-कभी	नहीं
1	अध्यापक की भाषा समझने में कठिनाई	154 (62.86%)	55 (22.45%)	36 (14.69%)
2	पाठ के पढ़ने में झिझक	179 (73.06%)	45 (18.37%)	21 (8.57%)
3	धीरे गति के कारण प्रश्न पत्र पूर्ण होना होना	171 (69.79%)	45 (18.37%)	29 (11.84%)
4	अध्यापकों द्वारा प्रश्नों के उत्तर बता देने पर लिखने में कठिनाई	164 (66.94%)	49 (20%)	32 (13.06%)
5	श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों को उतारने में कठिनाई	149 (60.82%)	77 (31.43%)	19 (7.75%)

तालिका 1 निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याओं का क्षेत्र अध्यापक अधिगम प्रक्रिया संबंधी समस्याएं को दर्शाती है। कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो द्वारा अध्यापक की भाषा समझने में कठिनाई का अनुभव 245 विद्यार्थियो में से 154(62.86%) करते हैं 55 (22.45%) कभी कभी तथा 36 (14.69%) नहीं करते हैं पाठ को पढ़ने में झिझक का अनुभव 179 (73.06%) को होती है। 45 (18.37%) को कभी कभी तथा 21 (8.57%) को कभी नहीं होती है। धीमी गति से लिखने के कारण प्रश्न पत्र पूर्ण ना होने की समस्या का अनुभव 171 (69.79%) को है। 45 (18.37%) को कभी-कभी तथा 29 (11.84%) को नहीं है। अध्यापकों द्वारा प्रश्नों के उत्तर बता देने में लिखने में कठिनाई का अनुभव 164 (66.94%) को है। तथा 49 (20%) को कभी-कभी तथा 32 (13.06%)को नहीं है। श्यामपट्ट पर लिखने शब्दों को उतारने में कठिनाई 149 (60.82%) को है। 77 (31.43%) को कभी कभी तथा 19 (7.75%) को नहीं है।

तालिका 2: अध्यापक व्यवहार संबंधी समस्याएं

क्र.स	कथन	हां	कभी-कभी	नहीं
1	कक्षा में अध्यापक की डांट का भय	162 (66.12%)	55 (22.45%)	28 (11.48%)
2	अधिक अनुशासन स्थापित करने वाले अध्यापकों से भय	169 (68.98%)	54 (22.04%)	22 (8.98%)
3	अध्यापकों का मेरे साथ अच्छा व्यवहार	11 8(48.16%)	51 (20.82%)	76 (31.02%)
4	अध्यापकों का गृह कार्य को बिना पढ़े काटना	41 (16.74%)	47 (19.18%)	157 (64.08%)
5	अध्यापकों के सामने अपनी समस्या रखने में कठिनाई	178 (72.65%)	41 (16.74%)	26 (10.61%)

तालिका-2 निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याओं का क्षेत्र अध्यापक व्यवहार संबंधी समस्याओं को दर्शाती है। कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो द्वारा कक्षा में अध्यापक की डांट का भय 245 विद्यार्थियो में से

162 (66.12%) को 55 (22.45%) को कभी-कभी तथा 28 (11.48%) को नहीं है। अधिक अनुशासन स्थापित करने वाले अध्यापकों से भय 169 (68.98%) को है। 54 (22.04%) को कभी-कभी तथा 22 (8.98%) को नहीं है। अध्यापकों का मेरे साथ अच्छा व्यवहार 11 8(48.16%) के साथ है। तथा 51 (20.82%) के साथ कभी कभी तथा 76 (31.02%) के साथ नहीं है। अध्यापकों का गृह कार्य को बिना पढ़े काट देने की समस्या 41 (16.74%)को है। तथा 47 (19.18%)को कभी-कभी तथा 157 (64.08%) को नहीं है। अध्यापकों के सामने अपनी समस्या रखने में कठिनाई 178 (72.65%) को है। 41 (16.74%) को कभी-कभी तथा 26 (10.61%) को नहीं है।

तालिका:3 विषय से संबंधित समस्याएं

क्र.स	कथन	हां	कभी-कभी	नहीं
1	गणित के प्रश्नों को हल करने में कठिनाई	196 (80%)	40 (16.33%)	9 (3.67%)
2	गुणा व भाग करते समय प्रश्नों का समझ ना आना	201 (82.04%)	35 (14.29%)	9 (3.67%)
3	गुणा व भाग करते समय पूरा पहाड़ा बोलना	194 (79.18%)	36 (14.69%)	15 (6.13%)
4	हिंदी के स्वस्वर वाचन में कठिनाई	162 (66.12%)	66 (26.93%)	17 (6.94%)
5	हिंदी के शब्दों में मात्राएं लगाने में कठिनाई	169 (68.98%)	65 (26.53%)	11 (4.48%)

तालिका 3 निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याओं का क्षेत्र विषय से संबंधित समस्याओं को दर्शाती है। कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो द्वारा गणित के प्रश्नों को हल करने में कठिनाई 196 (80%) को है। 40 (16.33%) को कभी-कभी तथा 9 (3.67%) को नहीं है। गुणा व भाग करते समय प्रश्नों का समझ न आना 201 (82.04%) को है। 35 (14.29%) को कभी-कभी तथा 9 (3.67%) को नहीं है। गुणा व भाग करते समय पूरा पहाड़ा बोलने की समस्या 194 (79.18%) को है। 36 (14.69%) को कभी-कभी तथा 15 (6.13%) को नहीं है। हिंदी के स्वस्वर वाचन में कठिनाई 162 (66.12%) को है। 66 (26.93%) को कभी-कभी तथा 17 (6.94%) को नहीं है। हिंदी के शब्दों में मात्राएं लगाने में कठिनाई 169 (68.98%) को है। 65 (26.53%) को कभी-कभी तथा 11 (4.48%) को नहीं है।

तालिका:4 गृह कार्य संबंधी समस्याएं

क्र.स	कथन	हां	कभी-कभी	नहीं
1	गृह कार्य समय पर पूरा ना करना	194 (79.18%)	37 (15.11%)	14 (5.71%)
2	गृह कार्य किस प्रकार किया जाए उसे समझने में कठिनाई	198 (80.82%)	30 (12.24%)	17 (6.94%)
3	गृह कार्य में परिवार के सदस्यों की मदद न मिलना	225 (91.84%)	15 (6.12%)	5 (2.04%)
4	गृह कार्य में रुचि न रखना	192 (78.37%)	36 (14.69%)	17 (6.94%)
5	गृह कार्य को उत्तर पुस्तिका में गलत उतारना	199 (81.22%)	29 (11.84%)	17 (6.94%)

तालिका 4 निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याएं का क्षेत्र गृह कार्य संबंधी समस्याओं को दर्शाती है। कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो द्वारा गृह कार्य समय पर पूरा ना करने की समस्या का अनुभव 245 में से 194 (79.18%) की है। 15(6.12%) को कभी-कभी तथा 5(2.04%) की नहीं है। गृह कार्य किस प्रकार किया जाए उसे समझने में कठिनाई 198 (80.82%) को है। 30 (12.24%) को कभी-कभी तथा 17 (6.94%) को नहीं है। गृह कार्य में परिवार के सदस्यों की मदद ना मिलना 225 (91.84%) को नहीं मिलती है। 15 (6.12%) को कभी कभी 5 (2.04%) को मिलती है। गृह कार्य में रुचि न रखने की समस्या 192 (78.37%) को

नहीं है। 36 (14.69%) को कभी-कभी तथा 17 (6.94%) को है। गृह कार्य को उत्तर पुस्तिका में गलत उतारने की समस्या 199 (81.22%) की है। 29 (11.84%) को कभी-कभी तथा 17 (6.94%) की नहीं है।

तालिका:5 विद्यालय संबंधी समस्याएं

क्र.स	कथन	हां	कभी-कभी	नहीं
1	नियमित रूप से विद्यालय आने में कठिनाई	203 (82.86%)	28 (11.43%)	14 (5.71%)
2	विद्यालय में अध्यापक का कक्षा में ना आना	199 (81.22%)	29 (11.84%)	17 (6.94%)
3	कक्षा में बच्चों का मजाक उड़ाना/ डराना/ धमकाना	189 (77.14%)	43 (17.55%)	13 (5.31%)
4	विद्यालय में एक या दो ही अध्यापक होना	223 (91.02%)	13 (5.31%)	9 (3.97%)
5	विद्यालय में कमरे में अन्य संसाधनों की कमी	227 (92.65%)	10 (4.08%)	8 (3.27%)

तालिका 5 निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अंतर्गत जयपुर की कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो की शैक्षिक समस्याओं का क्षेत्र विधालय संबंधी समस्याओं को दर्शाती है। कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो द्वारा नियमित विद्यालय आने में कठिनाई की समस्या 203 (82.86%) को है। 28 (11.43%) को कभी-कभी तथा 14 (5.71%) को नहीं है। विद्यालय में अध्यापक का कक्षा में न आने की समस्या 199 (81.22%) की है। 29 (11.84%) की कभी-कभी तथा 17 (6.94%) को नहीं है। कक्षा में बच्चों का मजाक उड़ाना डराना धमकाना की समस्या 189 (77.14%) की है। 43 (17.55%) की कभी कभी तथा 13 (5.31%) कि नहीं है। विद्यालय में एक या दो ही अध्यापक की समस्या 223 (91.02%) की है। 13 (5.31%) कि कभी-कभी तथा 9 (3.97%) की नहीं है। विद्यालय में कमरे व अन्य संसाधनों की कमी की समस्या 227 (92.65%) को है। 10 (4.08%) को कभी-कभी तथा 8 (3.27%) को नहीं है।

निष्कर्ष

1. कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो को अधिगम प्रक्रिया संबंधित समस्याएं होती हैं।
2. कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो को अध्यापक की डांट का भय,अध्यापक के सामने अपनी समस्या रखने में कठिनाई व अध्यापकों का उनके साथ व्यवहार संबंधित समस्याएं होती है।

3. कच्ची बस्ति के कक्षा 8 के विद्यार्थियो के विषय संबंधी समस्याओं के अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि इन विद्यार्थियो को गणित के प्रश्नों को समझने तथा उनको हल करने में, गणित के प्रश्नों को हल करते समय अत्यंत मूलभूत प्रत्यय जैसे गुणा भाग जोड़ बाकी करने में हिंदी के स्वस्वर वाचन में तथा हिंदी में मात्राएं लगाने में कठिनाई होती है।

4. कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो में गृह कार्य में उनके समस्याएं पाई गई जैसे गृह कार्य को समय पर पूरा न करना, गृह कार्य किस प्रकार किया जाए उसे समझने में कठिनाई ,गृह कार्य में परिवार के सदस्यों की मदद न मिलना तथा गृह कार्य में उनकी रुचि ना होना

5. कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो में समय पर विद्यालय न आना कक्षा में अध्यापकों की अनुपस्थिति कक्षा में सहपाठियों द्वारा मजाक उड़ाया जाना,तथा विद्यालय में कमरे व अन्य संसाधनों की कमी देखी गई है।

शैक्षिक निहितार्थ

1. कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो को अध्यापक पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तथा उनकी रुचि पैदा करें

2. कच्ची बस्ति के विद्यार्थियो में अध्यापक अधिगम प्रक्रिया सम्बंधी अनेक समस्याएं देखी गई इन्हें दूर करने के लिए अध्यापक पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास कराएं अभ्यास के माध्यम से इनकी भाषा संबंधी त्रुटियां दूर होंगी तथा लिखने की गति में सुधार होगा

3. विद्यार्थियो को गणित के सवाल करने हिंदी के स्वस्वर वाचन तथा मात्राएं लगाने में कठिनाई होती है। इसके लिए प्राचार्य गणित की विशेष कक्षाएं लगाएं जिससे उनकी नींव मजबूत होगी क्रुति लेख के माध्यम से हिंदी विषय की मात्राओं की गलती को दूर किया जा सकता है।

संदर्भ

1. वर्मा, प्रीति (1994) मनोविज्ञान और शिक्षा में साखियकी की विनोद पुस्तक भंडार आगरा

2. गुडे, हॉट (1962) मेथड्स इन सोशल रिसर्च मैग्राहिल बुक कंपनी न्यू यॉर्क

3. तरुण, हरवश (2000) भारतीय शिक्षा व उसकी समस्याएं तथा विश्व की शिक्षा प्रणालिया, नई दिल्ली प्रकाशन

4. अग्निहोत्री, रविंद्र (1987) आधुनिक भारतीय शिक्षा समस्याएं एवं समाधान राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर